तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज भगमोहन बनाम आशा वगै०	नम्बर व तारीख आहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
5/2/26	पत्रावली पेश हुई। अधि० प्रार्थी उपस्थित। अधि० प्रार्थी की बहस एकपक्षीय सुनी गई। पत्रावली वास्ते आदेश दिनांक 13/2/26 को पेश हो।	
13/02/26	पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है। पूर्वानुसार दिनांक 16/03/26 को पेश हो।	
16/3/26	पत्रावली पेश हुई। अधि० प्रार्थी उपस्थित। अधि० प्रार्थी की बहस एकपक्षीय पुनः सुनी गई। पत्रावली वास्ते आदेश दिनांक 24/3/26 को पेश हो।	
24/3/26	पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है। पूर्वानुसार दिनांक 22/04/26 को पेश हो।	
22/4/26	पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है। पूर्वानुसार दिनांक 19/5/26 को पेश हो।	
19/5/26	पत्रावली पेश हुई। अधि० प्रार्थी उपस्थित। अधि० प्रार्थी की एकपक्षीय बहस सुनी गई। अधि० वादी/प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र के तथ्यों को दोहराते हुये कथन किया कि विवादित आराजी एक सह-खातेदारान की सह खातेदारी की आराजी है जिसमें प्रार्थी हिस्सा 1/15 का खातेदार काश्तकार है विवादित आराजी पर प्रार्थी एवं अप्रार्थी सामूहिक रूप से काश्त करते चले आ रहे हैं। भूमि की बढ़ती हुयी कीमतें एवं सहखातेदार की संख्या अधिक होने के कारण उक्त आराजी के बाबत सहखातेदारान	

प्रागनोटन ... आशा व०

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए

के झगड़े होते रहते है विवादित आराजी पर सम्पत्ति रूप से काश्त करना मुश्किल हो गया है। दिनांक 20/6/24 को प्रार्थी मौके पर आ गये एवं विवादित आराजी से प्रार्थी को बेदखल करने की धमकी दी। जिसके कारण अप्रार्थीगण को नकिसाला वाद वर्तमान अस्थाई निषेधाज्ञा पारित करवाने बाबत का निवेदन किया है।

मैंने द्वारा योग्य अधिवक्ता प्रार्थी की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली, पत्रावली के साथ संलग्न शपथ पत्र, राजस्व रिकार्ड जमाबंदी 2075-78 का अवलोकन किया गया। उक्त विवादित आराजी के प्रार्थी एवं अप्रार्थीगण सह खातेदार काश्तकार बाकिया आराजी है। अप्रार्थीगण बावजूद Regd. तामील उक्त प्रकरण में हाजिर नहीं आये ना ही अप्रार्थीगण के द्वारा कोई जवाब या सबूत प्रस्तुत किया गया है। अतः प्राईमाफेसी केस, सुविधा का संतुलन एवं अपूरणीय क्षति के बिन्दु प्रार्थी के हक में जाहिर होते है।

अतः उपरोक्त के विवरण ~~[illegible]~~ अस्थाई निषेधाज्ञा नकिसाला वाद इस आशय की जारी कर पारित किया जाता है कि विवादित आराजी ख० नं० 1288, 1289, 1290, 1324, 1420, 1422, 16, 1770, 397, 480, 64, 811, 909, 910, 967 वाके ग्राम मौंरु तहसील उच्चैन के रिकार्ड एवं मौके की यथा-स्थिति बनाये रखें। पत्रावली फैसल शुमार हो नम्बर से कम होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

उपखण्ड अधिकारी
उच्चैन (भरतपुर)